

शिवसहस्र नामावलि

पि. बांका सन्धेद
सन् १९२५ वि.

श्रीलक्ष्मीधर - विश्वामनिर.
देवप्रदास (गङ्गादास दिवाकर)
संस्थापक: ए. चक्रवर्ती

२८२५

ॐ श्रीशंकरउवाच शृण्वंतु सर्वपापघ्नं भक्तिमुक्तिप्रदं नृणां सह
 सनामसद्विद्यां जपंतु मम सवृत्ताः । यथा संसारगानो मुक्तिर्भवति ।
 शाश्वती शृण्वंतु तद्विधानंतु महापातकनाशं न पठतां शृणु
 तां सद्यो मुक्तिः स्यादनयापिनी ब्रह्मचारीकृतज्ञातः स्वमु
 क्तवासाजितेन्द्रियः भक्तधारी मुनिमौनी यथासनसमन्वि
 तः ध्यात्वा मां सकलाधोर्शो निराकारं निरीश्वरं पावते
 सहितं शंभुं जटा मुकुटमंडितं वसानं चर्मवैयाघ्रं चंद्रा
 र्द्धकृतशेखरं श्रवणैश्च भारुणं कृतिवाससमजलं

श्रीलक्ष्मीधर - विद्यामानंदर

देवप्रयाग (गंगा-यमुना-संयोगस्थल)
 चतुर्थस्थानिक

सरचितपदद्वंद्वं दिव्यभोगंसंदरं विभाणं सप्रसन्नं
 च कुठारवरदाभये दुरंतं कमलासीनं नागयज्ञो
 पवीतिनं विश्वकार्यचिदानंदं शृङ्खलमक्षरमव्ययं सह
 सशिरसंशोभं मनंतकरसंयुतं सहस्रचरणोदिव्यं
 सोमसूर्याग्निलोचनं जगद्योनिमज्ज्वलं शिवमायं स
 नातनं दंष्ट्राकालदुष्टेक्षं सूर्यकोटिसमप्रभं नि
 शाकरकराकारं मेघजंभवरोगिणां पिनाकिनं वि
 शालाक्षं पशुनापतिमीश्वरं कालात्मानं कालकालं देवदेवमहेश्वरं ज्ञान

वैराग्य संपन्नं योगानंदमयं परं साधनैश्वर्यसंपूर्णं
महायोगेश्वरेश्वरं समस्तशक्तिसंयुक्तं परमकायंदुत
संदं तारकं ब्रह्मसंपूर्णं माणीयांसमहत्तरं यतीनां प
रमं ब्रह्म यतीनां तपसः फलं संयमिहृत्तामासीनं
तपस्विजनसंघतं विंधीद्रुविष्मनमिते मुनिसिद्ध
नषेवितं महादेवं महानांदं देवानामपि देवते शा
तंपवित्रमोकारं ज्योतिषां ज्योतिरुत्तमं शंकरो मे।
शिरः पानु ललाटं भाललोचनः विश्वचक्षुर्दृशे

पात रुद्रः पात भूवो मम गंडो यातु महेशानः
 श्रुतीरदातु पूर्वजः कपोलो मे महादेवः पातना
 संसदा शिवः सखं पात हविर्भोक्ता ओष्ठो पातु म
 हेश्वरः रसनो परमानंदं तान् रदतु देव शक्तान् लूमा
 मकला धरः रसनो परमानंदः पात शंखौ शिवा
 शं ६ प्रियः चिबुकं पातु मे भयं शम शत्रु विनाशनः
 कूर्चं पातु भवः कंठं नीलकंठौ वतु ध्रुवं स्कंधौ स्क
 दपतिः पात बाहु पातु महाभुजः उपबाहु महावीर्यः करौ विबुध सत्तमः

अंगुलीः पातु पंचास्यः पर्वणि च सहस्रपात हरये
 पातु सर्वात्मा सन्नोपातु पितामहः उदरं हतभक्
 पातु मध्यमे मध्यमेश्वरः कुक्षिपातु भवानीशः पृ
 ष्ठपातु कुलेश्वरः प्राणान्ते प्रणदः पातु नाभिं भी
 मः कटिं विभः सर्विणी पातु मे भर्गो जानुनी जन
 ताधियः जंघे पुरारिपुः पातु चरणौ भवनाशनः
 शरीरं पातु मे शर्वो बाह्यं सभ्यं तरं शिवः इंद्रियास्ति
 गिहरः पातु सर्वत्र जयवर्धनः प्राच्यादिशिसृडापा

त दक्षिणोयमसूनैः वारुण्यामिलिलाधीश उदी
 च्यामेमहीधरः ईशान्यापातुभूतेश आग्नेय्यारवि
 लोचनः नैऋत्याभूतभूतपातुवयव्यां बलवर्धन
 नः उर्ध्वपातुमखद्वेषी सधः संसारनाशनः सर्व
 दूतः सखदः पातुबुद्धिं पातुसलोचनः एवंन्यासादि
 कं कृत्वा साक्षाद्भूमयो भवेत् ॐ नमो हिरण्यवाहु
 दिपठे नमो जंतुभक्तिमान् सद्योजातादिभिर्मन्त्रैर्नमः
 स्फुपीतुसदाशिवं ततः सहस्रनामैर्दे पीठतयं मुमुक्षुभिः सर्वकार्यकारणं

महापाकनाशनं सर्वयुत्तममदिव्यं सर्वलोकहित।
प्रदं संप्राणपरमोमंत्रो भवदुःखघ्नीर्मिहृत॥ राम
ॐ श्रीगणेशायनमः ॐ अस्य श्रीदेवसागाख्यपरमदिव्य।
शिवसहस्रनामस्तोत्रमाला मंत्रस्य श्रीभगवाननाराय।
णः अधिरनुष्टुप्कुंदः सदाशिवोदेवता ॐ नमः इतिवी
जं शिवायेतिशक्तिः चैतन्यमिति कीलकं सदाशिव
प्रीत्यर्थं पाठे विनियोगः ॐ ध्यायेन्नित्यं महेशं रजतगि
रिनिभं चारुचंद्रावतंसं रत्नाकलाञ्जलांगपरशु।

महावराभीतिहसंप्रसन्नं पद्मासीनंसमंतात्स्ततमम
 रगरौर्व्याद्युक्तिंवनानं विश्वाद्यंविश्ववंद्यंनिविलभ
 यहरंपंचवक्त्रंत्रिनेत्रं ॥ ओं सदाशिवउवाच ॥

- | | |
|----------------------|-------------------------|
| १ ओं पराये देवाय नमः | ६ ओं निर्मलाय नमः |
| २ ओं शंकराय नमः | ७ ओं पद्मिने नमः कपदिने |
| ३ ओं महात्मने नमः | ८ ओं निर्विकल्पाय नमः |
| ४ ओं कामिने नमः | ९ ओं शांताय नमः |
| ५ ओं नीलकंठाय नमः | १० ओं निरहंकारिणे नमः |

श्रीलाल
 निवास
 बस्थायक

| | | | |
|----|-----------------|----|--------------------|
| ११ | ॐ अनर्घाय नमः | २० | ॐ गुणातीताय नमः |
| १२ | ॐ विशालाय नमः | २१ | ॐ वेधसे नमः |
| १३ | ॐ सालहर्षाय नमः | २२ | ॐ महादेवाय नमः |
| १४ | ॐ निरंजनाय नमः | २३ | ॐ बीताय नमः |
| १५ | ॐ शर्वाय नमः | २४ | ॐ पार्वतीपतये नमः |
| १६ | ॐ श्रुताय नमः | २५ | ॐ केवलाय नमः |
| १७ | ॐ परमात्मने नमः | २६ | ॐ महेशाय नमः |
| १८ | ॐ शिवाय नमः | २७ | ॐ विष्णुद्वयाय नमः |
| १९ | ॐ भगवाय नमः | २८ | ॐ बुधात्मने नमः |

| | | | |
|----|-----------------------|----|------------------|
| २८ | ॐ वैवल्याय नमः | ३८ | ॐ पिनकिने नमः |
| ३० | ॐ सुदेशाय नमः | ३९ | ॐ निगधाय नमः |
| ३१ | ॐ निरुह्याय स्वरूपिणे | ४० | ॐ सिंहाय नमः |
| ३२ | ॐ सोमविभ्रवाय नमः | ४१ | ॐ मायातीताय नमः |
| ३३ | ॐ कालाय नमः | ४२ | ॐ बीजाय नमः |
| ३४ | ॐ अमितेजसे नमः | ४३ | ॐ सर्पभ्रवाय नमः |
| ३५ | ॐ अजिराय नमः | ४४ | ॐ पुशुनाय नमः |
| ३६ | ॐ जगत्त्रये नमः | ४५ | ॐ पुरंदराय नमः |
| ३७ | ॐ जनकाय नमः | ४६ | ॐ भद्राय नमः |

| | | | |
|----|----------------------|----|------------------|
| ४७ | ओं पुरुषाय नमः | ५६ | ओं शिरोशाय नमः |
| ४८ | ओं महीयसे नमः | ५७ | ओं वृक्षाय नमः |
| ४९ | ओं महासंतोषरूपाय नमः | ५८ | ओं अनेमर्तये नमः |
| ५० | ओं ज्ञानिने नमः | ५९ | ओं निरक्षराय नमः |
| ५१ | ओं सुदुबुद्धये नमः | ६० | ओं सुक्ताय नमः |
| ५२ | ओं हृदयरूपाय नमः | ६१ | ओं कैलासपतये नमः |
| ५३ | ओं तपसे नमः | ६२ | ओं निगमयानमः |
| ५४ | ओं परमात्मने नमः | ६३ | ओं कंठाय नमः |
| ५५ | ओं सर्वज्ञाय नमः | ६४ | ओं निरातंकाय नमः |

६५ ॐ निगलंकाय नमः
 ६६ ॐ विचाय नमः
 ६७ ॐ नित्याय पते नमः
 ६८ ॐ आत्म रामाय नमः
 ६९ ॐ भव्याय नमः
 ७० ॐ पूज्याय नमः
 ७१ ॐ परमेश्विने नमः
 ७२ ॐ विकर्तताय नमः
 ७३ ॐ हर्म्याय नमः

७४ ॐ शंभवे नमः
 ७५ ॐ विश्वरूपेण नमः
 ७६ ॐ ताराय नमः
 ७७ ॐ हंसनाथाय नमः
 ७८ ॐ प्रतिसर्प्याय नमः
 ७९ ॐ पावोरशरुद्राय नमः
 ८० ॐ भवाय नमः
 ८१ ॐ अलंघ्याशक्तये नमः
 ८२ ॐ ईदृधंसनिधीशाय नमः

८२ ओं कालहन्त्रेनमः
 ८४ ओं मनस्विनेनमः
 ८५ ओं विश्वमात्रेनमः
 ८६ ओं जगद्वात्रेनमः
 ८७ ओं जगन्नेत्रेनमः
 ८८ ओं जटिलायनमः
 ८९ ओं विरागायनमः
 ९० ओं पवित्रायनमः

९१ ओं मृदायनमः
 ९२ ओं निवद्यायनमः
 ९३ ओं पात्रायनमः
 ९४ ओं स्तेनानां पतेनमः
 ९५ ओं नादायनमः
 ९६ ओं रविनेत्रायनमः
 ९७ ओं व्योमकेशायनमः
 ९८ ओं चतुर्भागायनमः
 ९९ ओं सारायनमः

| | | | |
|-----|-----------------------|----|-----------------------|
| १०० | ॐ योगिने नमः | ८ | ॐ व्याघ्रचर्मवराय नमः |
| १ | ॐ अनंतमायिते नमः | ९ | ॐ दिशवस्त्राय नमः |
| २ | ॐ धर्मिष्ठाय नमः | १० | ॐ परमप्रेमसंज्ञाय नमः |
| ३ | ॐ विरिष्ठाय नमः | ११ | ॐ प्रथमाय नमः |
| ४ | ॐ पुरत्रयविधातिते नमः | १२ | ॐ सचक्षुषे नमः |
| ५ | ॐ गरिष्ठाय नमः | १३ | ॐ आद्याय नमः |
| ६ | ॐ गिरीशाय नमः | १४ | ॐ शूलहस्ताय नमः |
| ७ | ॐ अवरदाय नमः | १५ | ॐ शितिकंठाय नमः |

| | | | |
|----|--------------------|----|---------------------|
| १६ | ओं उग्रायनमः | २४ | ओं वीरायनमः |
| १७ | ओं वामदेवायनमः | २५ | ओं चीरभद्रायनमः बी |
| १८ | ओं श्रीकंठायनमः | २६ | ओं कामनाशायनमः |
| १९ | ओं विश्वेश्वरायनमः | २७ | ओं गुरवेनमः |
| २० | ओं सूर्यायनमः | २८ | ओं मुक्तिनाथायनमः |
| २१ | ओं गौरीशायनमः | २९ | ओं विरूपाक्षायनमः |
| २२ | ओं वरायनमः | ३० | ओं सृतायनमः |
| २३ | ओं सत्यंजयायनमः | ३१ | ओं बह्मिनेत्रायनमः |
| | | ३२ | ओं जलधरशिरस्त्रेनमः |

| | | | |
|----|-------------------------------|----|--------------------|
| ३३ | ओं हविषे नमः | ४२ | ओं भौमेशाय नमः |
| ३४ | ओं हितकारिणे नमः | ४३ | ओं संवकाय नमः |
| ३५ | ओं महाकालाय नमः | ४४ | ओं गंगाधराय नमः |
| ३६ | ओं वैद्याय नमः | ४५ | ओं निरीहाय नमः |
| ३७ | ओं संचूणेशाय नमः | ४६ | ओं केदाराय नमः |
| ३८ | ओं ^{ओं} काररूपाय नमः | ४७ | ओं कवये नमः |
| ३९ | ओं सोमनाथाय नमः | ४८ | ओं नागनाथाय नमः |
| ४० | ओं रामेश्वराय नमः | ४९ | ओं भस्मप्रियाय नमः |
| ४१ | ओं शुचये नमः | ५० | ओं सूद्याय नमः |

५१ ॐ लक्ष्मी शायनमः

५२ ॐ पूर्णा यनमः

५३ ॐ भूतपतये नमः

५४ ॐ सर्वज्ञाय नमः

५५ ॐ दयालवे नमः

५६ ॐ धर्माय नमः

५७ ॐ धनदेशाय नमः

५८ ॐ गजचर्मावराय नमः

५९ ॐ भालनेत्राय नमः

६० ॐ यज्ञाय नमः

६१ ॐ श्रीशैलपतये नमः

६२ ॐ हृशानुरेतसे नमः

६३ ॐ नीललोताय नमः

६४ ॐ अधकासरहंत्रे नमः

६५ ॐ पावनाय नमः

६६ ॐ वलाय नमः

६७ ॐ चैतन्याय नमः

लोहित

| | | | |
|----|------------------------|----|----------------------|
| ६८ | ॐ त्रिनेत्राय नमः | ७६ | ॐ सर्वदेवमयाय नमः |
| ६९ | ॐ दत्तनाशकाय नमः | ७७ | ॐ आसोदाय नमः |
| ७० | ॐ सहस्रशिरसे नमः | ७८ | ॐ प्रगल्भाय नमः |
| ७१ | ॐ जयरूपाय नमः | ७९ | ॐ गायत्रीवल्लभाय नमः |
| ७२ | ॐ सहस्रचरणाय नमः | ८० | ॐ व्योमाकाराय नमः |
| ७३ | ॐ योगिद्वय युवांसि नमः | ८१ | ॐ विप्राय नमः |
| ७४ | ॐ सद्योजाताय नमः | ८२ | ॐ विप्रप्रियाय नमः |
| ७५ | ॐ वंद्याय नमः | ८३ | ॐ श्रद्धाय नमः |

सु

| | | | |
|----|------------------------|----|------------------------|
| ८४ | ॐ सैवषायनमः | ८२ | ॐ अज्ञातशत्रवेनमः |
| ८५ | ॐ श्वतरूपायनमः | ८३ | ॐ जगत्प्राणायनमः |
| ८६ | ॐ विद्वत्तमायनमः | ८४ | ॐ ब्रह्मशिरश्चुत्रेनमः |
| ८७ | ॐ चित्रायनमः | ८५ | ॐ पंचवक्त्रायनमः |
| ८८ | ॐ विश्वग्रासायनमः | ८६ | ॐ खड्गिनेनमः |
| ८९ | ॐ नन्दिनेनमः | ८७ | ॐ हरिकेशायनमः |
| ९० | ॐ अधर्मशत्रुरूपायनमः | ८८ | ॐ पंचबाणायनमः |
| ९१ | ॐ दुन्दुभेर्मर्दनायनमः | ८९ | ॐ वज्रिणायनमः |
| | | ९० | ॐ पंचाक्षरायनमः |

| | | | |
|---|-------------------------|----|----------------------|
| १ | ॐ गोवर्द्धनधराय नमः | १० | ॐ त्रिस्तवेनमः |
| २ | ॐ सर्वलोकानां प्रभवेनमः | ११ | ॐ जितरात्रवेनमः |
| ३ | ॐ कालकूटविषादिनेनमः | १२ | ॐ काशशिष्याय नमः |
| ४ | ॐ सिद्धेश्वराय नमः | १३ | ॐ गेह्याय नमः |
| ५ | ॐ सिद्धाय नमः | १४ | ॐ विश्वसाक्षिणे नमः |
| ६ | ॐ सहस्रबदनाय नमः | १५ | ॐ हेतवेनमः नमः |
| ७ | ॐ सहस्रहस्ताय नमः | १६ | ॐ सर्वजीवानां पालकाय |
| ८ | ॐ सहस्रनयनाय नमः | १७ | ॐ जगत्संहारकाय नमः |
| ९ | ॐ सहस्रवर्तये नमः | १८ | ॐ त्रिधवस्थाय नमः |

| | | | |
|------------------|----|-------------------------|----|
| ॐ कामायनमः | ४८ | ॐ दिव्यतूतायनमः | ५७ |
| ॐ परासेनमः | ४८ | ॐ जगतामेकबीजायनमः | ५८ |
| ॐ प्रचेतसेनमः | ५० | ॐ माजावाजायनमः | ५९ |
| ॐ ब्रह्ममयायनमः | ५१ | ॐ सर्वहृसंनिविष्टायनमः | ६० |
| ॐ सकलायनमः | ५२ | ॐ ब्रह्मचक्रभूमायनमः | ६१ |
| ॐ रक्तावर्णायनमः | ५३ | ॐ ब्रह्मानंदायनमः | ६२ |
| ॐ ब्रह्मयोनयेनमः | ५४ | ॐ महतेनमः | ६३ |
| ॐ योगात्मनेनमः | ५५ | ॐ ब्रह्मण्यायनमः | ६४ |
| ॐ अभीतायनमः | ५६ | ॐ भूरिभारतिसंहर्त्रेनमः | ६५ |

| | | | |
|-------------------------|----|----------------------|----|
| ॐ विधि सारथ्ये नमः | ६६ | ॐ परमेश्वरे नमः | १६ |
| ॐ हिरण्यगर्भपुत्राय नमः | ६७ | ॐ अनेतकेटिवृत्ताडनाय | १७ |
| ॐ दुर्गामे नमः | ६८ | ॐ एकाकिने नमः | १८ |
| ॐ षट् विकाररहिताय नमः | ६९ | ॐ विर्मलाय नमः | १९ |
| ॐ देहाद्वंताय नमः | ७० | ॐ द्विषाय नमः | २० |
| ॐ षडर्मिरहिताय नमः | ७१ | ॐ दमाय नमः | २१ |
| ॐ प्रकृत्यै नमः | ७२ | ॐ त्रिलोचनाय नमः | २२ |
| ॐ भवनाशाय नमः | ७३ | ॐ शिपिविषाय नमः | २३ |
| ॐ ताम्राय नमः | ७४ | ॐ बंधवे नमः | २४ |
| | ७५ | ॐ त्रिविष्टपे नमः | २५ |

| | | | |
|-----------------------|----|-------------------------|----|
| ॐ व्याघ्रे श्वराय नमः | ८६ | ॐ नागे श्वराय नमः | ८५ |
| ॐ विश्वेश्वराय नमः | ८७ | ॐ न्यायाय नमः | ८६ |
| ॐ दात्रे नमः | ८८ | ॐ न्यायनिर्वहकाय नमः | ८७ |
| ॐ चंद्रे श्वराय नमः | ८९ | ॐ शरणायाय नमः | ८८ |
| ॐ व्यासे श्वराय नमः | ९० | ॐ सुपात्राय नमः | ८९ |
| ॐ पुद्गिने नमः | ९१ | ॐ कालचक्रप्रवर्तिने नमः | ९० |
| ॐ यज्ञवेश्वाय नमः | ९२ | ॐ विचक्षणाय नमः | ९१ |
| ॐ जैगीष्वे श्वराय नमः | ९३ | ॐ दंष्ट्राय नमः | ९२ |
| ॐ दिवोदासे श्वराय नमः | ९४ | ॐ दोदा श्वराय नमः | ९३ |
| | | ॐ नीलजीमूते देहाय नमः | ९४ |

| | | | |
|----|------------------------------|----|------------------|
| ५ | परमज्योतिषे नमः | १४ | ओं कोविदाय नमः |
| ६ | ओं शरणागतपाली ^{नमः} | १५ | ओं कामपाशाय नमः |
| ७ | ओं महाबलपराय नमः | १६ | ओं चित्राय नमः |
| ८ | ओं सर्वपापहराय नमः | १७ | ओं चिंचांगाय नमः |
| ९ | ओं महानादाय नमः | १८ | ओं मातामहाय नमः |
| १० | ओं कृत्तस्य जयदात्रे नमः | १९ | ओं मातरि चने नमः |
| ११ | ओं विल्वकेशाय नमः | २० | ओं निःसंगाय नमः |
| १२ | ओं दिव्यभोगाय नमः | २१ | ओं सनेत्राय नमः |
| १३ | ओं दूताय नमः | २२ | ओं विद्येशाय नमः |

| | | | |
|----|--------------------------------|----|----------------------|
| २३ | ॐ जपाय नमः | ३२ | ॐ शाङ्गिणे नमः |
| २४ | ॐ व्याज संमर्दनाय नमः | ३३ | ॐ विष्णुमूर्तये नमः |
| २५ | ॐ मध्यास्थाय नमः | ३४ | ॐ नागायणाय नमः |
| २६ | ॐ शृंगुष्टशिरसालंका | ३५ | ॐ रामाय नमः |
| २७ | ॐ वैद्यपुत्रवासा ॥ नाचदर्पहारि | ३६ | ॐ सुदीप्ताय नमः |
| | यनमः | | |
| २८ | ॐ सर्वेश्वराय नमः | ३७ | ॐ ब्रह्मांडमालाय नमः |
| २९ | ॐ परावरेणाय नमः | ३८ | ॐ गोधराय नमः |
| ३० | ॐ जगत्स्थावरमूर्तये | ३९ | ॐ वरुणाय नमः |
| | नमः | | |
| ३१ | ॐ अनुपमेयाय नमः | ४० | ॐ सोमाय नमः |
| | | | ॐ सोमाय नमः |

| | | | |
|----|-------------------------------|----|--|
| ४१ | ओं रूपाय नमः | ५० | ओं प्रमाणाय नमः |
| ४२ | ओं पातालवासिने ^{नमः} | ५१ | ओं कलिग्रासाय नमः |
| ४३ | ओं ताराधिनाथाय ^{नमः} | ५२ | ओं भक्तानां भक्तिमतिप्रदायिने ^{नमः} |
| ४४ | ओं वागीशाय नमः | ५३ | ओं संसारमोचनाय नमः |
| ४५ | ओं सदाचाराय नमः | ५४ | ओं वर्णिने नमः |
| ४६ | ओं गौराय नमः | ५५ | ओं लिंगरूपिणे नमः |
| ४७ | ओं स्वायुधाय नमः | ५६ | ओं सिद्धिदानंदरूपाय नमः |
| ४८ | ओं श्रतर्क्याय नमः | ५७ | ओं पापशोहराय नमः |
| ४९ | ओं श्रुतसेवाय नमः | ५८ | ओं गजारये नमः |

| | | | |
|----|----------------------|----|---------------------------|
| ५८ | ॐ विदेहाय नमः | ६८ | ॐ स्वस्तिदाय नमः |
| ६० | ॐ त्रिलिंगरहिताय नमः | ६९ | ॐ मयोभवे नमः |
| ६१ | ॐ अचिंत्यशक्तये नमः | ७० | ॐ दुर्ज्ञेयसामर्थ्याय नमः |
| ६२ | ॐ अलंकारासनाय नमः | ७१ | ॐ यज्वने नमः |
| ६३ | ॐ अच्युताय नमः | ७२ | ॐ चक्रे श्वराय नमः |
| ६४ | ॐ राजाधिराजाय नमः | ७३ | ॐ नक्षत्रमालिने नमः |
| ६५ | ॐ चैतन्यविषयाय नमः | ७४ | ॐ अनर्थनाशनाय नमः |
| ६६ | ॐ शुद्धात्मेने नमः | ७५ | ॐ भस्मलेपकाराय नमः |
| ६७ | ॐ वृक्षज्योतिषे नमः | ७६ | ॐ सदानंदाय नमः |

७९ ओं विदुषे नमः

८० ओं सगुणाय नमः

८१ ओं विरोधिने नमः

८२ ओं दुर्गमाय नमः

८३ ओं शुभांगाय नमः

८४ ओं मृगव्याधाय नमः

८५ ओं प्रियाय नमः

८६ ओं धर्मधात्रे नमः

८७ ओं प्रयोगाय नमः

८८ ओं विभगिने नमः

८९ ओं नाथाय नमः

९० ओं समुत्पाय नमः

९१ ओं सोमपाय नमः

९२ ओं तपस्विने नमः

९३ ओं विचित्रवेषाय नमः

९४ ओं पुष्टिसंवर्द्धनाय नमः

९५ ओं चिरंतनाय नमः

९६ ओं धनुषे नमः

| | | | |
|----|------------------|----|----------------------|
| ८५ | ॐ हृत्तां पतयेन | ५ | ॐ व्यवसायफलात्तायनमः |
| ८६ | ॐ निर्मायायनमः | ४ | ॐ महाकर्तृप्रियायनमः |
| ८७ | ॐ अग्रगणायनमः | ६ | ॐ गुणत्रयस्वरूपायनमः |
| ८८ | ॐ व्योमातीतायनमः | ६ | ॐ सिद्धस्वरूपिणायनमः |
| ८९ | ॐ संवत्सरायनमः | ७ | ॐ स्वरूपरूपायनमः |
| ९० | ॐ लोषायनमः | ८ | ॐ खेच्छायनमः |
| ९१ | ॐ स्थानदायनमः | ९ | ॐ पुरुषायनमः |
| ९२ | ॐ स्थवित्तवेनमः | १० | ॐ कालात्परायनमः |

| | | | |
|----|-----------------------|----|-----------------------------|
| ११ | ॐ वैद्याय नमः | २० | ॐ पंचकर्मैन्द्रियात्मने नमः |
| १२ | ॐ ब्रह्मांडरूपिणे नमः | २१ | ॐ विश्वखलाय नमः |
| १३ | ॐ अनित्यनित्यरूपे नमः | २२ | ॐ दर्पाय नमः |
| १४ | ॐ तरंतर्वर्तिने नमः | २३ | ॐ विषयात्मने नमः |
| १५ | ॐ तीर्थाय नमः | २४ | ॐ अनवद्याय नमः |
| १६ | ॐ कल्पाय नमः | २५ | ॐ शास्त्राय नमः |
| १७ | ॐ पूणाय नमः | २६ | ॐ सुतंत्राय नमः |
| १८ | ॐ बरवे नमः | २७ | ॐ स्मृताय नमः |
| १९ | ॐ पंचतन्त्ररूपाय नमः | २८ | ॐ प्रौढाय नमः |

प्रौढा

| | | | |
|----|----------------------|----|------------------|
| २१ | ॐ प्रज्ञायनमः | २० | ॐ पञ्जगायनमः |
| २० | ॐ योगरूपायनमः | १८ | ॐ श्रीवीरगायनमः |
| २१ | ॐ मंत्रज्ञायनमः | १८ | ॐ मागचूडायनमः |
| २२ | ॐ प्रगल्भायनमः | १७ | ॐ व्याघ्रायनमः |
| २३ | ॐ प्रदीपविमलायनमः | १६ | ॐ बाणहस्तायनमः |
| २४ | ॐ विश्वावासायनमः | १५ | ॐ स्विदायनमः |
| २५ | ॐ दक्षायनमः | १४ | ॐ दक्षिणेनमः |
| २६ | ॐ वेदनिःश्रुतितायनमः | १३ | ॐ क्षत्रज्ञायनमः |
| | | १२ | ॐ रहस्यायनमः |

| | | | |
|----|------------------|----|----------------------------|
| ४६ | ॐ स्वस्थानाय नमः | ५५ | ॐ दुर्गाय नमः |
| ४७ | ॐ वीरसेन नमः | ५६ | ॐ सिद्धांतैर्निश्चिताय नमः |
| ४८ | ॐ गहनाय नमः | ५७ | ॐ श्रीमते नमः |
| ४९ | ॐ विरामाय नमः | ५८ | ॐ मुक्तिबीजाय नमः |
| ५० | ॐ सिद्धांताय नमः | ५९ | ॐ कुशलाय नमः |
| ५१ | ॐ महीधराय नमः | ६० | ॐ विवासिने नमः |
| ५२ | ॐ गत्याय नमः | ६१ | ॐ त्रैलोक्याय नमः |
| ५३ | ॐ बटवृक्षाय नमः | ६२ | ॐ विशोकाय नमः |
| ५४ | ॐ ज्ञानदीपाय नमः | ६३ | ॐ हविर्दानाय नमः |

| | | | |
|----|-------------------|----|----------------------|
| ६४ | ओंगंभीरायनमः | ७२ | ओंपरमायायनमः |
| ६५ | ओंसहायनमः | ७३ | ओंशिशवेनमः |
| ६६ | ओंभोजनायनमः | ७४ | ओंप्रांशवेनमः |
| ६७ | ओंसुभोगिनेनमः | ७५ | ओंकपालिनेनमः |
| ६८ | ओंसहायज्ञायनमः | ७६ | ओंसहजायगृहस्थायनमः |
| ६९ | ओंतीक्ष्णायनमः | ७७ | ओंसंथानायायनमः |
| ७० | ओंभूतचारिणेनमः | ७८ | ओंविष्णवेनमः |
| ७१ | ओंप्रतिष्ठितायनमः | ७९ | ओंषाडुःसंपूजितायनमः |
| ७२ | ओंसहोत्साहायनमः | ८० | ओंवितालासुरघातिनेनमः |

| | | | |
|----|--------------------------------|----|------------------------|
| ८१ | ओं जनाधिपायनमः | ८१ | ओं शुचिभस्मनेमः |
| ८२ | ओं योग्यायनमः | ८२ | ओं भूतिपिपायनमः |
| ८३ | ओं कामेशायनमः | ८३ | ओं भूमेनमः |
| ८४ | ओं किरीटिनेनमः | ८४ | ओं सर्वशाखाधिपतेयेनमः |
| ८५ | ओं अमोघविक्रमाय ^{नमः} | ८५ | ओं पुत्रनेशायनमः |
| ८६ | ओं नृगायनमः | ८६ | ओं सृत्तप्रसागभूतायनमः |
| ८७ | ओं दलघातिनेनमः | ८७ | ओं सुरपाश्वगतायनमः |
| ८८ | ओं संगामायनमः | ८८ | ओं अशरीरशरीरायनमः |
| ८९ | ओं नरेशायनमः | ८९ | ओं सप्तगतायनमः |

१५५ ओं सवेराय नमः

१५६ ओं सपुष्पाय नमः

१ ओं कृतये नमः

२ ओं पुष्पमर्लिने नमः

३ ओं सुनेये नमः

४ ओं बीजसंस्थमरीचये ^{नमः}

५ ओं चामुडाजनकायने ^{नमः}

६ ओं कृतिवाससे नमः

७ ओं बुधकेशाय नमः

८ ओं धर्मपीठाय नमः

९ ओं महावीणाय नमः

१० ओं दीप्ताय नमः

११ ओं बुद्धाय नमः

१२ ओं अशनेये नमः

१३ ओं विशिष्टेष्टाय नमः

१४ ओं सेनान्ये नमः

१५ ओं द्विपदे नमः

१६ ओं कारणानां कारणाय नमः

| | | | |
|----|-------------------|----|------------------------|
| १७ | ॐ भगवते नमः | ३४ | ॐ शशि मौलिने नमः |
| १८ | ॐ वाणदर्यहराय नमः | ३५ | ॐ जातकर्णाय नमः |
| १९ | ॐ सतीन्द्राय नमः | ३६ | ॐ सूर्याध्याय नमः |
| २० | ॐ रम्याय नमः | ३७ | ॐ ज्योतिषे नमः १ शम्भु |
| ३० | ॐ जनानन्दकराय नमः | ३८ | ॐ कुंडलीसंस्वरदाय नमः |
| ३१ | ॐ सदाशिवाय नमः | ३९ | ॐ अभयाय नमः |
| ३२ | ॐ सौम्याय नमः | ४० | ॐ वसंताय नमः |
| ३३ | ॐ चिंत्याय नमः | ४१ | ॐ सुरभये नमः |

| | | | |
|----|---------------------------------------|----|---------------------------------------|
| १८ | ॐ एकादशस्वरूपाय नमः | २७ | ॐ दलितं जनभासाय नमः |
| २० | ॐ वह्निमूर्तये नमः | २८ | ॐ वायुस्वरूपाय नमः ऐ |
| २१ | ॐ नरसिंहमहादर्पचा ^{नेनमः} ति | २९ | ॐ स्वकामं त्रस्वरूपाय नमः |
| २२ | ॐ शरभाय नमः | ३० | ॐ प्रसिद्धाय नमः |
| २३ | ॐ भस्माभ्यक्ताय नमः | ३१ | ॐ वृषधजाय नमः |
| २४ | ॐ तीर्थाय नमः | ३२ | ॐ श्रवणाशनाय नमः |
| २५ | ॐ जाह्नवीजनकाय नमः | ३३ | ॐ सर्वज्ञाशना ^{नमः} कुलनाशाय |
| २६ | ॐ देवदानवदैत्यानां गुरुवे नमः | ३४ | ॐ गोष्पाय नमः |
| | | ३५ | ॐ मगधं त्रप्रवर्तिते नमः |

| | | | |
|----|-----------------------|----|----------------------|
| २८ | ॐ नाथाय नमः | ४५ | ॐ ज्ञानगम्याय नमः |
| २९ | ॐ प्रदेषाय नमः | ४६ | ॐ चंद्रावपिषायाय नमः |
| ३० | ॐ विष्णुगर्बहाय नमः | ४७ | ॐ पद्मासनाय नमः |
| ३१ | ॐ हरेर्विधातुः कलहनाश | ४८ | ॐ पुण्याय नमः |
| ४० | ॐ दशहस्ताय नमः | ४९ | ॐ निर्वाणाय नमः |
| ४१ | ॐ गगनाय नमः | ५० | ॐ अयोनय नमः |
| ४२ | ॐ कैवल्यफलदात्रे नमः | ५१ | ॐ सदेहाय नमः |
| ४३ | ॐ परमाय नमः | ५२ | ॐ उन्मत्ताय नमः |
| ४४ | ॐ ज्ञानाय नमः | ५३ | ॐ अंतकालाधिपतये नमः |

| | | | |
|--------|---------------------|----|------------------|
| ५४ | ॐ विशालाक्षाय नमः | ६३ | ॐ गिरिशाय नमः |
| ५५ | ॐ कुतरेवधवे नमः | ६४ | ॐ गिरित्राय नमः |
| ५६ | ॐ सोमाय नमः | ६५ | ॐ गिरिशंताय नमः |
| ५७ | ॐ सुखदायिने नमः | ६६ | ॐ पारिजाताय नमः |
| पाय ५८ | ॐ अमृतश्चरु रूप्य | ६७ | ॐ पंचयज्ञाय नमः |
| ५९ | ॐ कौबेराय नमः | ६८ | ॐ वरुणाय नमः |
| ६० | ॐ प्रियंवदसमयाय नमः | ६९ | ॐ विशिष्टाय नमः |
| ६१ | ॐ धन्विने नमः | ७० | ॐ बालरूपधराय नमः |
| ६२ | ॐ विभवे नमः | ७१ | ॐ जीवितेशाय नमः |

११ ओं तृणाय नमः
 १२ ओं पुष्पानां पतेये नमः
 १४ ओं भवहेतौ नमः
 १५ ओं हिरण्णाय नमः
 १६ ओं कनिष्ठाय नमः
 १७ ओं मध्याय नमः
 १८ ओं विधात्रे नमः
 १९ ओं शृणाय नमः
 ८३ ओं सुभगाय नमः

८१ ओं स्नादित्यजापनाय नमः
 ८२ ओं रुद्रमन्यवे नमः
 ८३ ओं महाहृदाय नमः
 ८४ ओं ह्रस्वाय नमः
 ८५ ओं वामनाय नमः
 ८६ ओं तत्पुरुषाय नमः
 ८७ ओं चतुर्हस्ताय नमः
 ८८ ओं धूर्जटे नमः
 ८९ ओं जगदीशाय नमः
 ९० ओं जगन्नाथाय नमः

८१ ओं लीलाविग्रहरूपिणे नमः
 ८२ ओं अनन्ताय नमः
 ८३ ओं समराय नमः
 ८४ ओं समृताय नमः
 ८५ ओं अमृताय नमः
 ८६ ओं लोकाध्याय नमः
 ८७ ओं अनादिनिधनाय नमः
 ८८ ओं व्यक्तेतराय नमः
 ८९ ओं व्यक्ताय नमः
 ९० ओं परमाणवे नमः

१ ओं लघुस्थूलस्वरूपाय नमः
 २ ओं परशुधारिणे नमः
 ३ ओं खट्वाङ्गहस्ताय नमः
 ४ ओं नागहस्ताय नमः
 ५ ओं वरदाभयहस्ताय नमः
 ६ ओं चण्डास्ताय नमः
 ७ ओं चमराय नमः
 ८ ओं अजिताय नमः
 ९ ओं अगिमादिगुणाय नमः
 १० ओं पंचब्रह्ममयाय नमः

१२. ॐ पुरातनाय नमः

१३. ॐ शुद्धाय नमः

१४. ॐ बलप्रमथनाय नमः

१५. ॐ पुण्योदयाय नमः

१६. ॐ पद्माय नमः

१७. ॐ विरक्ताय नमः

१८. ॐ उदाराय नमः

१९. ॐ वित्रिाय नमः

२०. ॐ विवित्रगतये नमः

२०. ॐ वाग्विद्याय नमः

२१. ॐ चितये नमः

२२. ॐ निर्गुणाय नमः

२३. ॐ परमेशाय नमः

२४. ॐ शेषाय नमः

२५. ॐ पद्मवराय नमः

२६. ॐ महेंद्राय नमः

२७. ॐ सुशीलाय नमः

२८. ॐ करवीरप्रियाय नमः

२९. ॐ पराक्रमाय नमः

२० ओं कालरूपिणे नमः
 २१ ओं विष्टर श्रवसे नमः
 २२ ओं लोकचूडारत्नाय नमः
 २३ ओं सास्त्राज्यकल्पवृक्षा^{यने}
 वि २४ ओं त्रिषीमते नमः
 २५ ओं वरेणाय नमः
 २६ ओं वज्ररूपाय नमः
 २७ ओं परमज्योतिषे नमः
 २८ ओं पद्मगर्भाय नमः

२९ ओं सलिलाय नमः
 ४० ओं तत्त्वाधिकाय नमः
 ४१ ओं सर्गाय नमः
 ४२ ओं दीर्घाय नमः
 ४३ ओं स्रग्विणे नमः
 ४४ ओं पांडुरंगाय नमः
 ४५ ओं चोराय नमः
 ४६ ओं वृक्षरूपिणे नमः
 ४७ ओं निष्कलाय नमः
 ४८ ओं प्रपञ्चाय नमः

था

४८ ओं जयाय नमः
 ५० ओं क्षेत्राय नमः
 ५१ ओं क्षेत्राणां पतये नमः
 ५२ ओं कलाधराय नमः
 ५३ ओं पूताय नमः
 ५४ ओं पंचभूतात्मने नमः
 ५५ ओं अनिर्विष्टाय नमः
 ५६ ओं तथ्याय नमः
 ५७ ओं पापनाशकराय नमः

५८ ओं विश्वतश्चक्षुषे नमः
 ५९ ओं मंत्रिणे नमः
 ६० ओं अनंतरूपिणे नमः
 ६१ ओं सिद्धसाधकरूपाय नमः
 ६२ ओं मेदिनीरूपिणे नमः
 ६३ ओं अगाथाय प्रतापय नमः
 ६४ ओं सधाहस्ताय नमः
 ६५ ओं ईश्वराय नमः
 ६६ ओं मधुराय नमः
 ६७ ओं उपाध्यायिताय नमः

६८ ओं स कृताशयेनमः

६९ ओं मनीश्वरायनमः

७० ओं शिवानंदायनमः

७१ ओं रिपुघ्नायनमः

७२ ओं तेजोराशयेनमः

७३ ओं अनुत्तमायनमः

७४ ओं चतुर्भुजवपुःस्थायनमः

७५ ओं वृद्धीन्द्रियात्मनेनमः

७६ ओं उपद्रवहरायनमः

७७ ओं प्रियसंदर्शनायनमः

७८ ओं भूतनाथायनमः

७९ ओं मूलायनमः

८० ओं वीतरागायनमः

८१ ओं नैष्कर्म्यायनमः

८२ ओं विरूपायनमः

८३ ओं षट्चक्रायनमः

८४ ओं विशुद्धयेनमः

८५ ओं कुलेशायनमः

८६ ओं श्रवनिभूते नमः

८७ ओं भुवनेशाय नमः

८८ ओं हिरण्यवाहवे नमः

८९ ओं जीववरदाय नमः

९० ओं आदिदेवाय नमः

९१ ओं भाग्याय नमः

९२ ओं चंद्रसंजीवनाय नमः

९३ ओं हराय नमः

९४ ओं बहुरूपाय नमः

९५ ओं प्रसन्नाय नमः

९६ ओं आनंदपूरिताय नमः

९७ ओं क्लृप्ताय नमः

९८ ओं मोक्षफलाय नमः

९९ ओं शाश्वताय नमः

१०० ओं विरागिणे नमः

१ ओं यज्ञभोक्त्रे नमः

२ ओं सृष्टेराय नमः

| | | | | |
|----|--------------------|-----------------|----|---------------------|
| ३ | ॐ दक्षयज्ञविद्याति | नेनमः | १२ | ॐ मूलप्रकृतयनमः |
| ४ | ॐ सवात्मनेनमः | | १३ | ॐ समस्तसिद्धयेनमः |
| ५ | ॐ विश्वपालायनमः | | १४ | ॐ तेजोराशयेनमः |
| ६ | ॐ विश्वगर्भायनमः | | १५ | ॐ आश्रमस्थायिकायनमः |
| ७ | ॐ गर्भायनमः | | १६ | ॐ वर्णिनेनमः |
| ८ | ॐ वेदगर्भायनमः | | १७ | ॐ सुंदरायनमः |
| ९ | ॐ संसारार्णव | मग्नानां समुद्र | १८ | ॐ मृगवाणापणायनमः |
| १० | ॐ श्रुतिप्रियायनमः | रणहेतवेनमः | १९ | ॐ शार्दावल्लभायनमः |
| ११ | ॐ स्वल्पायनमः | | २० | ॐ विचित्रमोपिनेनमः |

२१ ॐ अलंकारिस्सवेनमः
 २२ ॐ वहिस्सखमहादयम
 यनायनमः
 २३ ॐ अष्टमूर्तयेनमः
 २४ ॐ निष्कलं कायनमः
 २५ ॐ हव्यायभोज्यायनमः
 २६ ॐ यज्ञनाथायनमः
 २७ ॐ मेधायनमः
 २८ ॐ सखायनमः
 २९ ॐ विशिष्टायनमः

३० ॐ अंशविकापतयेनमः
 ३१ ॐ महादंतायनमः
 ३२ ॐ सत्यप्रियनमः
 ३३ ॐ सत्यायनमः
 ३४ ॐ प्रियनित्यायनमः
 ३५ ॐ नित्यात्प्रायनमः
 ३६ ॐ वेदित्रेनमः
 ३७ ॐ मरुहस्तायनमः
 ३८ ॐ अर्द्धनारीश्वरायनमः
 ३९ ॐ कुहारायुधपाणयेनमः

| | | | |
|----|------------------|----|-----------------------------------|
| ४० | वराहभेदिनेनमः | ४८ | ओंबुहश्रुतिधरायनमः |
| ४१ | ओंकंकालधारिणेनमः | ४० | ओंअघ्राणायनमः |
| ४२ | ओंमहार्थायनमः | ४१ | ओंगंधावघ्राणकारि ^{नम} णे |
| ४३ | ओंसुसत्वायनमः | ४२ | ओंपादहीनायनमः |
| ४४ | ओंकीर्तिसंभायनमः | ४३ | ओंबोद्धेनमः |
| ४५ | ओंकृतागमायनमः | ४४ | ओंसर्वत्रगतयेनमः |
| ४६ | ओंवेदातपठितायनमः | ४५ | ओंव्यदायनमः |
| ४७ | ओंअश्रात्रायनमः | ४६ | ओंजननेत्रायनमः |
| ४८ | ओंअतिमतेनमः | ४७ | ओंचिदात्मनेनमः |

५० ओं सज्ञाय नमः
 ५५ ओं रसनारहिताय नमः
 ६० ओं अमूर्ताय नमः
 ६१ ओं मूर्ताय नमः
 ६२ ओं ^मदसत्पतये नमः
 ६३ ओं जितेंद्रियाय नमः
 ६४ ओं परंज्योतिस्वरूपिणे ^मने
 ६५ ओं सर्वमर्त्यानामादिक ^मने
 ६६ ओं भवंतये नमः

६७ ओं सर्गस्थिति विनाश ^{नाकर्त्रे नमः}
 ६८ ओं प्रेरकाय नमः ^{नाकर्त्रे नमः}
 ६९ ओं अंतर्यामिणे नमः
 ७० ओं सर्वहृदिस्याय नमः
 ७१ ओं चक्रभ्रमणकर्त्रे नमः
 ७२ ओं पुराणाय नमः
 ७३ ओं वामदक्षिणहस्तोत्थ
 ७४ ओं ^मकलकल्याण ^{लोके शहरि शालिने}
 ७५ ओं प्रसवाय नमः ^{दायिने नमः}

- | | | | |
|----|--|----|------------------------------|
| १६ | ॐ स्वभावोदाहरणीय नमः | ८५ | ॐ भक्तानां सुलभाय नमः |
| १७ | ॐ सूत्रकाय नमः | ८६ | ॐ पुष्टानां दुःप्रधर्माय नमः |
| १८ | ॐ विषयार्णवमग्रानां समुद्र | ८७ | ॐ विवेकानां विजयाय नमः |
| १९ | ॐ अस्त्रहस्त्ररूपाय नमः | ८८ | ॐ अतर्कितार्थे नमः |
| ८० | ॐ वार्तातिक्तांतवर्तिने नमः | ८९ | ॐ लोकाय नमः |
| ८१ | ॐ यत्र सर्वयतः सर्वे सर्वयत्रतः सौ नमः | ९० | ॐ सुलोकाय नमः |
| ८२ | ॐ महार्णवाय नमः | ९१ | ॐ पूरयित्रे नमः |
| ८३ | ॐ भास्कराय नमः | ९२ | ॐ विशेषाय नमः |
| ८४ | ॐ भक्तिगम्याय नमः | ९३ | ॐ शुभाय नमः |

८४ ओं कर्पूरे देहाय नमः

८५ ओं सर्पहा गाय नमः

८६ ओं संसारपा गाय नमः

८७ ओं कर्मा नीयाय नमः

८८ ओं वह्निदर्प विद्याताय नमः

८९ ओं वायुदर्प विद्यातिने नमः

५०० ओं जराति गाय नमः

१ ओं बीयाय नमः

२ ओं विश्वस्य व्यापिने नमः

२ ओं सूर्यकोटिप्रकाशाय नमः

४ ओं निष्क्रियाय नमः

५ ओं चंद्रकोटि सुशीताय नमः

६ ओं विमलाय नमः

७ ओं गुरुस्वरूपाय नमः

८ ओं दिशंपतये नमः

९ ओं सत्यप्रतिज्ञाय नमः

१० ओं समस्ताय नमः

११ ओं समाधये नमः

१२ ओं एकस्वरूपाय नमः

| | | | |
|----|------------------------|----|--------------------------------------|
| १३ | ॐ शून्याय नमः | २१ | ॐ ध्यानगम्याय नमः |
| १४ | ॐ विश्वनाभि हृदये नमः | २२ | ॐ ध्यारूपाय नमः |
| १५ | ॐ सर्वोत्तमाय नमः | २३ | ॐ शाश्वतैश्वर्यविभक्त ^{नमः} |
| १६ | ॐ कौलाय नमः | २४ | ॐ वरिष्ठाय नमः |
| १७ | ॐ प्राणिनां सुहृदे नमः | २५ | ॐ गोप्रे नमः |
| १८ | ॐ अन्नानां पतये नमः | २६ | ॐ निधानाय नमः |
| १९ | ॐ चित्तात्राय नमः | २७ | ॐ अगुजाय नमः |
| २० | ॐ ध्येयाय नमः | २८ | ॐ योगीश्वराय नमः |

| | | | |
|----|------------------------------|----|-----------------------|
| २८ | ओं योगाय नमः | २८ | ओं प्रकाशाय नमः |
| २० | ओं योगगम्याय नमः | २९ | ओं सधर्मिणे नमः |
| २१ | ओं प्राणेश्वराय नमः | ४० | ओं हिरण्यगर्भाय नमः |
| २२ | ओं सर्वशक्तिधराय नमः | ४१ | ओं हिरण्यमाय नमः |
| २३ | ओं धर्माधराय नमः | ४२ | ओं मगदीजाय नमः |
| २४ | ओं धन्याय नमः | ४३ | ओं हरये नमः |
| २५ | ओं पुष्पलाय नमः | ४४ | ओं सर्वशत्रुकलनाय नमः |
| २६ | ओं महेंद्रोपेंद्रचंद्राय नमः | ४५ | ओं सेव्याय नमः |
| २७ | ओं मर्विवंदिताय नमः | ४६ | ओं कुतवे नमः |
| | | ४७ | ओं अधिपत्याय नमः |

| | | | |
|----|---------------------|----|--------------------|
| ४२ | ओं जयारिमथनायनमः | ५१ | ओं प्रमाश्रितेनमः |
| ४३ | ओं प्रेमोन्नतनमः | ५२ | ओं निदधायनमः |
| ४४ | ओं परंजयायनमः | ५३ | ओं चित्रगर्भायनमः |
| ४५ | ओं एषदशायनमः | ५४ | ओं शिवालयायनमः |
| ४६ | ओं रोचिस्तवेनमः | ५५ | ओं स्तुत्यायनमः |
| ४७ | ओं असृजितेनमः असृजि | ५६ | ओं तीर्थदेवायनमः |
| ४८ | ओं श्वेतपीतायनमः | ५७ | ओं पतीनांपतयेनमः |
| ४९ | ओं चंचरीकायनमः | ५८ | ओं तिन्नरात्रयेनमः |
| ५० | ओं तमस्यमथनायनमः | ५९ | ओं निस्तुलरूपायनमः |

| | | | |
|----|----------------------|----|---------------------|
| ६० | ओं सवित्रे नमः | ६८ | ओं विसृष्टांगाय नमः |
| ६१ | ओं तपसे नमः | ७० | ओं अंगे चराय नमः |
| ६२ | ओं अहंकारस्वरूपे नमः | ७१ | ओं आम्नाय नमः |
| ६३ | ओं मेधाधिपते नमः | ७२ | ओं क्षेम्याय नमः |
| ६४ | ओं अन्तर्यामिणे नमः | ७३ | ओं बडवाग्रये नमः |
| ६५ | ओं तत्त्वविदे नमः | ७४ | ओं विक्रमाय नमः |
| ६६ | ओं क्षयद्वीपाय नमः | ७५ | ओं स्वतंत्राय नमः |
| ६७ | ओं पंचास्याय नमः | ७६ | ओं स्वतंत्रगतये नमः |
| ६८ | ओं अंगगणाय नमः | ७७ | ओं कायनिधये नमः |

७८ ओं श्लोकाय नमः

८० ओं जयशालिने नमः

८१ ओं ज्ञानोदयाय नमः

८२ ओं बीजाय नमः

८३ ओं जगद्गुरुमहेतवे नमः

८४ ओं श्रवधूताय नमः

८५ ओं शिष्याय नमः

८६ ओं हुंदसापतये नमः

८७ ओं फेन्याय नमः

८८ ओं गस्याय नमः

८९ ओं सर्वबधविमोचिने

९० ओं उदारकीर्तये नमः

९१ ओं श्रवसन्नचदनाय नमः

९२ ओं वसवे नमः

९३ ओं वेदकाय नमः

९४ ओं भ्राजिस्तुजिस्तवे नमः

८५ ओं चक्रिणो नमः
 ८६ ओं देवदेवाय नमः
 ८७ ओं गदाहस्ताय नमः
 ८८ ओं पुत्रिणो नमः
 ८९ ओं पारिजातसपुष्पाय नमः
 ९० ओं गणाधिपतये नमः
 ९१ ओं सेनाय नमः
 ९२ ओं चतुराय नमः

९३ ओं मनुष्यवाह्यगतये नमः
 ९४ ओं कृतज्ञाय नमः
 ९५ ओं शिखिने नमः
 ९६ ओं निर्लेपाय नमः
 ९७ ओं जरादाय नमः
 ९८ ओं महाकालाय नमः
 ९९ ओं मेरवे नमः
 १०० ओं विरूपरूपाय नमः
 १०१ ओं शक्तिगम्याय नमः

ॐ सर्वाय नमः

ॐ सदसत्सत्याय नमः

ॐ सुव्रताय नमः

ॐ भक्तप्रियाय नमः

ॐ पौतरदाय नमः ^{यनमः}

ॐ सुकुमारमहापा ^{यनमः}

ॐ रघिने नमः

ॐ धर्मराजाय नमः

ॐ धनाध्याय नमः

ॐ सिद्धये नमः

ॐ महाभूताय नमः

ॐ कल्पाय नमः

ॐ कल्पनारहिताय नमः

ॐ व्याताय नमः

ॐ जितविश्वाय नमः

ॐ गोकर्णाय नमः

ॐ सुचारवे नमः

ॐ श्रोत्रियाय नमः

ॐ वदन्याय नमः
ॐ दुर्लभाय नमः
ॐ कुंभविने नमः
ॐ विरजाय नमः
ॐ सुगंधाय नमः
ॐ विश्वभराय नमः
ॐ भवातीताय नमः
ॐ तिष्याय नमः

ॐ सामगाय नमः
ॐ चिन्मयाय नमः
ॐ शुक्लज्योतिषे नमः
ॐ क्षेत्रगाय नमः
ॐ श्रद्धेताय नमः
ॐ आद्वितीयाय नमः
ॐ कल्पराजाय नमः
ॐ भोगिने नमः

ॐ सर्वभोगसमृद्धाय नमः
ॐ सांपरायाय नमः
ॐ स्वप्रकाशाय नमः
ॐ स्वमुदाय नमः
ॐ सुतंतवे नमः
ॐ सर्वज्ञमूर्तये नमः
ॐ गुह्येशाय नमः
ॐ सुशान्तये नमः

ॐ शारदाय नमः
ॐ सुशीलाय नमः
ॐ कौशिकाय नमः
ॐ धनाय नमः
ॐ अभिरामाय नमः
ॐ तत्त्वाय नमः
ॐ बालकल्याणाय नमः
ॐ श्रीष्टमयनाय नमः
ॐ सप्रतीकाय नमः

ॐ आशवेनमः
ॐ ब्रह्मगभायनमः
ॐ वरुणायनमः
ॐ अद्वयेनमः
ॐ कालाग्निरुद्रायनमः
ॐ श्यामायनमः
ॐ सज्जनायनमः
ॐ अहिर्वध्यायनमः

ॐ तारायनमः
ॐ दुष्टानोपतयेनमः
ॐ समयनायायनमः
ॐ समयायनमः
ॐ गुहायनमः
ॐ दुर्लभ्यायनमः
ॐ कुन्दः सारायनमः
ॐ दंष्ट्रिणेनमः
ॐ ज्योतिर्लिंगायनमः

ॐ मित्राय नमः
 ॐ जगतां हितकारिणाय नमः
 ॐ वनानां पतये नमः
 ॐ जमदग्नेये नमः
 ॐ अनाहताय नमः
 ॐ मुक्ताय नमः
 ॐ मातृकाय नमः
 ॐ बीजकोशाय नमः
 ॐ दिव्यानंदाय नमः

ॐ विश्वेदेवाय नमः
 ॐ शंखताराय नमः
 ॐ विलोचनसेदेवाय नमः
 ॐ हेमगर्भाय नमः
 ॐ अनाद्यंताय नमः
 ॐ चंद्राय नमः
 ॐ ज्ञानसंदाय नमः
 ॐ तुष्टाय नमः
 ॐ कपिलाय महर्षये नमः

ॐ त्रिकाग्रिकालायनमः
 ॐ देवसिंहायनमः
 ॐ मणिपूरायनमः
 ॐ चतुर्वेदायनमः
 ॐ स्वरूपाणां स्वभावायनमः
 ॐ स्रतर्थागायनमः
 ॐ श्लोकायनमः
 ॐ न्यायनमः वन्या
 ॐ महाधर्मायनमः

ॐ प्रसन्नायनमः
 ॐ सर्वात्मन्योतिषेनमः
 ॐ त्रिमूर्तिनां स्वयंभवेनमः
 ॐ अध्यातीतायनमः
 ॐ श्रीसदाशिव उवाच
 ॐ जपंतु मामिहो देवा
 नाम्नां दशशतीमिमं ॥
 मम चातिप्रियकरी महा

मोक्षप्रदायिनी १

संगुमेजयदात्री तु स

र्वसिद्धिपीशुभा ॥ यापठेच्छृणुयाद्वापि सर्वपापैः

प्रसूच्यते २ पुत्रकामो लभेत्पुत्रं राज्यकामस्तु राजतां

प्राप्नुयात् पर्याभक्ता धनधान्यादिक बहु ३ शिवा

लयेन दीतीरे श्रुत्य मूले विशेषतः ४ धनकाम

स्तु नुहया कृतोक्तैर्विल्वपत्रकैः ॥ मोक्षकामस्तु गच्छेत्

चूतेन प्रतिनामतः ५ पुत्रकामस्तु नुहया तिलाक्तेन तथा धस

आयुश्चासस्तजुहया ६ ज्येनमधुना तथा ६ मत्समीपे प्र
 होषेच नत्वा भक्त्या जपेन्नरः जीवनस्वरूपता प्राप्य मम
 सा पुन्यमाप्नुयात् ७ कालोपि जशास्ताहि मम भक्तं न प
 रयति ॥ अहंपुरःसरस्तस्य नेष्यामि गमनस्थले ८ त्रि
 मध्वप्रजपेत् भक्त्या वत्सरतियमा न्वितः ॥ सच्चितो म
 मनाभूता साक्षान्मोक्षमवाप्नुयात् ९ रुद्रपाठेन य
 तपुण्यं यत्पुण्यं वेदपाठतः तत्पुण्यं प्राप्यते पुंभि
 रेकादृत्यापठेदिमा १० कन्याकोदिप्रदानस्य यत्फलं लभते नरः ॥

तत्फलं लभते सम्यक् नात्मा दशशतं जपत् ११

अश्वमेधसहस्रस्य यत्फलं लभते नरः कपिला दशद
नस्य तत्फलं पठनाद्भवेत् १२ यः शृणोति सदा विद्यां
आवयेद्वापि भक्तिः ॥ सोऽपि मुक्तिमवाप्नोति यत्रा
त्वानशोचति १३ यत्क्षणात्सर्वे लताला कृष्णं डामै
रवादायः पठनादस्य नश्यति जीवे च शरादाशतं १४
ब्रह्महत्यादिपापानां नाशः स्याद्भुवणे तत किंपुनः
पठनादस्य मुक्तिः स्यादनपायिनी १५ इत्युक्ता समा

हादेवो भगवान्परमेश्वरः पुनरप्याह भगवान् क
 पयापरयायुतः १६ दीपतां सप्तमं क्रेभ्यो सदुक्तं भ
 वद्यातकं इत्युक्त्वा तर्द्धे देवः परमानंदरूपधृक् १७
 ॥३॥ तिजः सिंहाभिधानाः शुचिकुलउदधा विंदुरूपात्
 पेन्द्राः सुहायेक्यमाना गुणागणारवनयमेजसा
 दीपमानाः वोभूयासुर्ममैतावहुविधफलदाः
 आशिवस्तेषु नित्यं पाठं कर्तुं गताः सकलसरनते
 शेशनामावलीनाम् ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

इति श्री पद्मपुराणे पंच पंचाशत्सहस्रिकायां
 संहितायां उत्तरभागे वित्त्वकेश्वरमाहात्म्ये श्री कृ
 ष्णमार्कण्डेय व्यासादिसंवावेदसारसहस्रनामैको
 नतावतितमोऽध्यायः ॥ शुभशुभयोर्भयात् ॥ ॥
 नामा लिखी बांकासच्यदेने १८२५
 वली कतवेविशदीत्यती

